इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 25 सितम्बर 2026

धन-समृद्धि से युक्त बड़े-बड़े राज्यों के राजा-महाराजों की तुलना भी उस चींटी से नहीं की जा सकती है जिसमें ईश्वर का प्रेम भरा हो।
-गुरुनानक देव

वर्ष 19 अंक 24 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 39.6°C (-3.6) न्यूनतम 25.0°C(+1.4) सेंसेक्स 73,580.54 (-1,247.71) निफ्टी 23,063.10 (-383.70) सोना 1,52,830 चांदी 2,45,000 मुद्रा - डालर 95.92 दिरहम 26.11 रियाल 25.57

छात्रों ने मशीन को खुद चलाया, क्रोमैटोग्राफी की बारीकियां सीखीं

एरा यूनिवर्सिटी में हुआ हैंड्स-ऑन वर्कशाप का आयोजन

लखनऊ (सं)। किताबों और कक्षा की पढ़ाई से आगे बढ़कर छात्रों को अत्याधुनिक प्रयोगशाला तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिए एरा यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें 45 से अधिक छात्रों ने आधुनिक थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी (टीएलसी) मशीन पर खुद प्रयोग कर तकनीक की बारीकियां समझीं। छात्रों को छोटे-छोटे समूहों में प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उन्हें मशीन के संचालन से लेकर नमूनों के विश्लेषण तक का व्यावहारिक अनुभव मिला।

केमिस्ट्री डिवीजन (बायोटेक्नोलॉजी विभाग) में आयोजित वर्कशॉप का विषय 'थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी में नई तकनीकें' रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता केमिस्ट्री डिवीजन के प्रभारी डॉ. एम. फहीम खान ने की, जबकि संचालन बायोटेक्नोलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जैनब ने किया। तकनीकी सत्र में मर्क कंपनी के विशेषज्ञों ने छात्रों को टीएलसी और एचपीटीएलसी के सिद्धांत, आधुनिक मशीनों की कार्यप्रणाली और चिकित्सा अनुसंधान में इनके उपयोग की जानकारी दी। मुख्य वक्ता हितेश छाबड़ा ने प्रस्तुति के साथ छात्रों के सवालों का जवाब भी दिया।

वर्कशॉप के दौरान छात्रों की तकनीकी समझ परखने के लिए दो चरणों में क्विज आयोजित हुई। प्रत्येक चरण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पांच-पांच छात्रों को पुरस्कृत किया गया। प्रशिक्षण में छात्रों को 15-15 के बैच में बांटा गया। लैब में लाइव डेमो के बाद उन्हें मशीन पर स्वयं काम करने का मौका मिला। आयोजकों के अनुसार पूरे कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों ने सहभागिता की।कार्यक्रम में डॉ. तारिक, डॉ. तबरेज, डॉ. रुमाना, लाइब्रेरियन डॉ. काशिफ व डॉ. शाकिब समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। अंत में डॉ. एम. फहीम खान ने अतिथियों और छात्रों का आभार जताया।